B. Ed. 2nd Year

Session - 2018-2020

**Subject - School Management and Leadership**

Course - 11 (e)

Unit - 2(a)

**Dr. Amod Kumar Sinha**
Assistant Professor,
Dept. of Education,
A. N. D. College,
Shahpur Patori, Samastipur.

**Topic - School Management Concept Basic Principles**

Lecture No. - 4

1. **विद्यालय**

   विद्यालय एक महत्वपूर्ण संस्था है, जहाँ विद्यार्थियों को शिक्षा मिलती है । विद्यालय को शक्षिक संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त होनी चाहिए । विद्यालय बाधा रहित, भेदभाव रहित और सभी विद्यार्थियों के लिए समावेशी होना चाहिए । ऐसे विद्यालयों में सभी विद्यार्थियों के लिए सौहार्दपूर्ण परिवेश होता है और विद्यार्थियों को घर जैसा महसूस होता है । इनमें विद्यार्थियों को विद्यालयी और सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । विविधताएँ जैसे कि जाति, धर्म, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, जेण्डर, दिव्यांगता इत्यादि के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना और गुणवत्तापूर्ण अधिगम के लिए सकारात्मक वातावरण बनाना किसी समावेशी विद्यालय की मुख्य विशेषताएँ होती है । विद्यालयों का परिवेश विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और सुगम्य होना चाहिए ।

2. **विद्यालय के घटक**

   बच्चे, माता-पिता, शिक्षक, प्रशासनिक/सरकारी कार्मिक विद्यालय के मुख्य घटक हैं। विद्यालय के कार्यात्मक सुधार के लिए ये एक साथ मिलकर कार्य करते हैं ।

- बच्चों से यहाँ तात्पर्य विद्यालय में नामाँकित सभी विद्यार्थियों से हैं । वे वंचित समुहों जैसे अनूसुचूित जाति, अनसुचूित जनजाति, सामाजिक और शक्षिैक रूप से पिछड़े वर्गो,आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के या दिव्यांगता से प्रभावित भी हो सकते हैं ।

- माता-पिता से तात्पर्य विद्यालय में नामाँकित विद्यार्थियों के माता-पिता से हैं । माता-पिता के अलावा अभिभावक भी विद्यालय के घटक के रूप में विद्यालयी गतिविधियों में भाग ले सकते हैं ।

- शिक्षकों से तात्पर्य विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों से है । वे मुख्य शिक्षक, कक्षा शिक्षक, विषय शिक्षक, स्थायी या संविदा पर हो सकते हैं । ये संपर्णू शिक्षा प्रणाली व शक्षिैक सधुारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

- विद्यालय प्रशासन औपचारिक या व्यवस्थित तरीकों से विद्यालय के कामकाज में सुधार लाने के लिए कार्य करता है ।

3. **विद्यालय प्रबंधन**

विद्यालय प्रबंधन विद्यालय के कामकाज और बच्चों की शिक्षा में सुधार लाने में मदद करता है । गणवुत्तापर्णू शिक्षा प्रदान करने हेतु शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं एवं अन्य विद्यालयी कार्यों की योजना बनाने व उनको निष्पादित करने में विद्यालय प्रबंधन सहायक होता है । विद्यालय गतिविधियों में भाग लेने और सहयोग करने हेतु हमें विद्यालय के कामकाज को समझना चाहिए । आइए हम अपने विद्यालय के क्रियाकलापों को समझें ।

- विद्यालय में कौन क्या करता है?
- शिक्षक अपनी गतिविधियों की योजना कैसे बनाते हैं?
- विद्यालय को चलाने के लिए आवश्यक संसाधन क्या हैं?
- धनराशि का प्रबंध कहां से होता है?
- धनराशि का व्यय किस प्रकार से और किन-किन मदों पर किया जाता है?